प्रेरणा

अगर सब कुछ मिल जाएगा जिंदगी में तो किस की तमन्ना करोगे, कुछ अधूरी ख्वाहिशे भी जिंदगी जीने का मजा देती है।

सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

जल है तो कल है

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-5 • 23 FEBRUARY TO 29 FEBRUARY 2024 • VOLUME 31 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges & *Pay Money after the visa

•IELTS •STUDY ABROAD

CANADA AUSTRALIA USA U.K SINGAPORE EUROPE

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

*T&C apply

पंजाब मंत्रिमंडल द्वारा 1 से 15 मार्च तक बजट सत्र बुलाने की मंजूरी

साल 2024-25 का बजट 5 मार्च को पेश होगा, जंगी जागीर की राशि बढ़ाकर 20000 रुपए सालाना की

सुल्तानपुर लोधी में पंजाब होमगार्ड्ज़ के शहीद वालंटियर के परिवार को एक्स-ग्रेशिया ग्रांट मिलेगी

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब मंत्रिमंडल ने 16वीं पंजाब विधान सभा का छठा सत्र (बजट समागम) एक मार्च से 15 मार्च, 2024 तक बुलाने की मंज़ूरी दे दी है। इस संबंधी फ़ैसला पंजाब सिविल सचिवालय में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता अधीन मंत्रिमंडल की मीटिंग के दौरान लिया गया। मुख्यमंत्री दफ़्तर के एक प्रवक्ता ने बताया कि मंत्रिमंडल ने भारतीय संविधान की धारा 174 के अंतर्गत यह सत्र बुलाने के लिए राज्यपाल को आधिकारित किया है। पंजाब सरकार 5 मार्च को वित्तीय साल 2024-25 के लिए बजट पेश करेगी।

बजट सत्र के प्रोग्राम के अनुसार यह सेशन एक मार्च को राज्यपाल के भाषण के साथ शुरू होगा और बाद में दिवंगत शख़्सियतों को श्रद्धांजलियां भेंट की जाएंगी। इसी तरह 5 मार्च को साल 2024-25 के बजट अनुमान पेश किये जाएंगे और 15 मार्च को सदन अनिश्चित समय के लिए उठा दिया जायेगा। सुल्तानपुर लोधी में अमन-कानून की रक्षा करते हुये शहीद होने वाले ज़िला कपूरथला के गाँव मनियाला के पंजाब होमगार्डज़ के वालंटियर जसपाल सिंह पुत्र दलीप सिंह (नंबर- 28475) के योगदान के मद्देनज़र मंत्रिमंडल ने शहीद के परिवार को विशेष केस के तौर पर एक्स-ग्रेशिया ग्रांट देने का ऐलान किया है। राज्य सरकार ने पंजाब होमगार्डज़ के इस वालंटियरों के बलिदान को भी पुलिस अफसरों, अर्ध-सैनिक बल और फ़ौज में सेवा निभा रहे पंजाब के निवासी सैनिकों के समान दर्जा दिया है। इस प्रयास से पंजाब होमगार्डज़ वालंटियरों का मनोबल और बढ़ेगा।

मंत्रिमंडल ने साल 2019 की अध्यापक तबादला नीति के पैरा-9 में संशोधन को मंजूरी दे दी है जो अध्यापक काडर के उन कर्मचारियों के बड़े हित में किया गया है, जोकि छूट मुक्त श्रेणी में आते हैं। मंत्रीमंडल ने जल संसाधन विभाग के डिज़ाइन विंग को सरकारी स्वामित्व वाले/ सहायता प्राप्त कालेजों और इंजीनियरिंग कॉलेजों/ संस्थाओं के स्टाफ की तर्ज़ पर निजी संस्थाओं को डिज़ाइन और कंसलटैंसी सेवाएं प्रदान करने की मंज़ूरी दे दी है।

मंत्रीमंडल ने 'दा ईस्ट पंजाब वॉर ऐवॉर्डज़ एक्ट- 1948' में संशोधन करने के लिए बिल विधान सभा के आगामी सत्र में पेश करने की मंज़ूरी दे दी है। इस संशोधन से जंगी जागीर की राशि (वित्तीय सहायता) मौजूदा 10,000 रुपए सालाना से बढ़ कर 20,000 रुपए सालाना हो जायेगी।

एक अन्य महत्वपूर्ण फ़ैसले में मंत्रिमंडल ने रक्षा सेवाएं भलाई विभाग के पुनर्गठन के बाद विभाग में ग्रुप-बी और सी के मुलाजिमों के सेवा नियमों को अंतिम रूप देने की मंज़ूरी दे दी है। बताने योग्य है कि पंजाब न सिर्फ़ लड़ाई के मैदान में आगे रहा बल्कि अपने सैनिकों की भलाई के लिये भी आगे रहा है। फ़ौजी सेवा के उपरांत ग्रुप-बी और सी के मुलाजिमों की नियुक्ति गई है और अब उनके सेवा नियमों को अंतिम रूप दिया गया है।

'एम. एस. एम. ई. पंजाब' के पास एक्सैस-टू-क्रेडिट, एक्सैस- टू-टैक्नोलोजी, मार्केट तक पहुँच, हुनर तक पहुँच और सैक्टर की अन्य ज़रूरी ज़रूरतों के लिए समर्पित सब-डिवीज़न होंगे। सेवाओं की प्रभावी डिलीवरी को यकीनी बनाने के लिए 'एम. एस. एम. ई. पंजाब' पेशेवर एजेंसियों के साथ सहयोग करेगा जिससे उनकी महारत के साथ हिस्सेदारों को लाभ पहुँचाया जा सके। सरकार की इस पहलकदमी से राज्य में लगभग 8 लाख मौजूदा और नये एम. एस. एम. ई. उद्योगों को बड़ा लाभ मिलेगा।

पीएम मोदी ने गुजरात में किया हज़ारों करोड़ के प्रोजेक्टों का शिलान्यास

अहमदाबाद. पीएम मोदी ने गुजरात में गुरुवार को कई हज़ार करोड़ के प्रोजेक्टों का शिलान्यास किया। नवसारी में पीएम ने कहा कि मोदी की गारंटी वहां से शुरू होती है, जहां दूसरों से उम्मीद खत्म होती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के गरीब को पहली बार ये भरोसा हुआ है कि उसे पक्का घर मिलेगा क्योंकि मोदी की गारंटी है। गरीब को पहली बार ये भरोसा हुआ है कि उसे कभी भूखा नहीं सोना पड़ेगा, उसे दर्द नहीं सहना पड़ेगा क्योंकि मोदी की गारंटी है। उन्होंने कहा कि जब मैं गुजरात में था तो 5एफ की बात करता था। इसका मतलब था- फॉर्म, फॉर्म टू फाइबर, फाइबर टू फैक्ट्री, फैक्ट्री टू फैशन, फैशन टू फॉरेन। यानी किसान कपास उगाएगा, कपास फैक्ट्री में जाएगा, फैक्ट्री में बने धागे से परिधान बनेंगे, यही परिधान विदेशों के लिए निर्यात होंगे। मोदी ने कहा कि कांग्रेस अपने शासन में भारत को 11वें नंबर की इकोनॉमी ही बना पाई। भाजपा सरकार ने अपने 10 साल के शासन में ही भारत को दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी इकोनॉमी बना दिया। उन्होंने कहा कि आज दुनिया डिजिटल इंडिया को पहचानती है, ये वही डिजिटल इंडिया है, जिसका कांग्रेस के लोग कभी मजाक उड़ाते थे। आज डिजिटल इंडिया ने छोटे शहरों को ट्रांसफॉर्म कर दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जितना ध्यान विकास पर दे रही है, उतना ही विरासत पर भी दे रही है।

तारभ में 13,500 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी

प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात में महेसाणा के तारभ में 13,500 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित की और आधारशिला रखी। इन परियोजनाओं में इंटरनेट कनेक्टिविटी, रेल, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, कनेक्टिविटी, अनुसंधान और पर्यटन जैसे कई क्षेत्र शामिल हैं। इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने आज से ठीक एक महीने पहले 22 जनवरी का स्मरण किया, जब उन्हें अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा करने का अवसर मिला था। उन्होंने 14 फरवरी को बसंतपंचमी के अवसर को भी याद किया जब उन्होंने अबू धाबी में हिंदू मंदिर का उद्घाटन किया, जो किसी खाड़ी देश में पहला हिन्दू मंदिर है।

नवसारी में 47,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया

प्रधानमंत्री ने गुजरात के नवसारी में 47,000 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया और आधारशिला रखी। परियोजनाओं में बिजली उत्पादन, रेल, सड़क, कपड़ा, शिक्षा, जल आपूर्ति, संपर्क और शहरी विकास जैसे कई क्षेत्र शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर एक जनसभा को संबोधित करते हुए रेखांकित किया कि यह आज गुजरात में उनका तीसरा कार्यक्रम है और पहले दिन में गुजरात के पशुपालकों (मवेशी प्रजनकों) और डेयरी उद्योग के हितधारकों की संगति को याद किया।

सीबीआई ने जम्मू-कश्मीर में 30 से अधिक जगहों की तलाशी ली

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

सीबीआई ने जम्मू-कश्मीर में किरू हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट के सिविल कार्यों के आवंटन में कथित अनियमितताओं से संबंधित एक मामले की जारी जांच में 30 से अधिक स्थानों पर तलाशी ली केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने जम्मू-कश्मीर में किरू हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट के सिविल कार्यों जिसे चिनाब वैली पावर प्रोजेक्ट्स (पी) लिमिटेड (सीवीपीपीपीएल) द्वारा कार्यान्वित किया गया, के आवंटन में अनियमितताओं के आरोपों से संबंधित एक मामले की जारी जांच में आज 8 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में 30 से अधिक स्थानों पर तलाशी ली। ये तलाशी जम्मू, श्रीनगर, दिल्ली, गुरुग्राम, मुंबई, बागपत, नोएडा, पटना, जयपुर, जोधपुर, बाड़मेर, नागौर एवं चंडीगढ़ सहित विभिन्न स्थानों पर हो रही है। सीबीआई ने सीवीपीपीपीएल के कर्मियों; एक निजी कंपनी एवं अन्य अज्ञातों के विरुद्ध दिनाँक 20.04.2022 को तत्काल मामला दर्ज किया था। यह आरोप है कि किरू हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट से संबंधित सिविल कार्यों के आवंटन में, ई-टेंडरिंग के संबंध में दिशानिर्देशों का पालन नहीं किया गया था। यह भी आरोप है कि यद्यपि सीवीपीपीपीएल की 47वीं बोर्ड बैठक में जारी निविदा प्रक्रिया को रद्द करने के पश्चात, रिवर्स नीलामी के साथ ई-टेंडरिंग के माध्यम से पुन: निविदा हेतु एक निर्णय लिया गया था। लेकिन इसे लागू नहीं किया गया एवं 48वीं बोर्ड बैठक में 47वीं बोर्ड बैठक के निर्णय को उलट दिया गया।

तलाशी के दौरान भारी नकदी जमा, सावधि जमा में निवेश, विभिन्न शहरों में संपत्तियों में निवेश, डिजिटल एवं दस्तावेजी साक्ष्य आदि के साक्ष्य बरामद किए गए हैं। इस मामलें में जाँच जारी है।

पंजाब पुलिस ने असम से चार साईबर धोखेबाज़ों को किया गिरफ्तार

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब पुलिस के साईबर क्राइम डिविजऩ ने असम के अलग-अलग जिलों से चार साईबर अपराधियों को गिरफ़्तार करके एक अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन जॉब फ्रॉड रैकेट का पर्दाफाश किया है। यह जानकारी पुलिस डायरैक्टर जनरल (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने गुरूवार को यहाँ दी। यह गिरोह के 'टैलिग्राम' मोबाइल ऐप के ग्रुपों का प्रयोग करके 'वर्क फ्रॉम होम' की नौकरियों की पेशकश करके भोले-भाले व्यक्तियों को अपने जाल में फसाता था।

'डीजीपी ने बताया कि इस गिरोह के मैंबर भरोसा हासिल करने के लिए पहले पीड़ितों को छोटे-मोटे काम करने के बदले छोटी-मोटी रकम अदा करते थे। बाद में, पीड़ित को बड़ी रकम वापस करने का लालच देकर अलग-अलग तरह के बहानों से पैसे ठगते थे। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान जहीरुल इस्लाम, रफीउल इस्लाम, महबूब आलम और अज़ीज़ुर रहमान के रूप में हुई है।

26 को ट्रैक्टर मार्च निकालेगा एसकेएम, 14 मार्च को रामलीला मैदान में रैली

चंडीगढ़. कई किसान संगठनों ने बुधवार को विरोध प्रदर्शन के दौरान मारे गए 21 वर्षीय नौजवान के लिए केंद्र सरकार से 1 करोड़ रुपये मुआवजे की मांग की है। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने 26 फरवरी को ट्रैक्टर रैली निकालने का ऐलान किया है। वे 14 मार्च को रामलीला मैदान में एक विशाल रैली भी करेंगे। पंजाब-हरियाणा सीमा पर दो विरोध स्थलों में से एक, खनौरी सीमा पर झड़प में एक प्रदर्शनकारी की मौत हो गई और लगभग 12 पुलिस कर्मियों के घायल होने के बाद किसान नेताओं ने कल 'दिल्ली चलो' मार्च दो दिनों के लिए रोक दिया।

गतिरोध को तोड़ने के प्रयास में तीन केंद्रीय मंत्रियों के एक पैनल के साथ रविवार रात को चौथे दौर की वार्ता के बाद दो दिन की शांति के बाद खनौरी और शंभू में पंजाब के किसानों ने सुबह अपना आंदोलन फिर से शुरू कर दिया था। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के समूहों को तितर-बितर करने के लिए दो सीमा बिंदुओं पर कई बार आंसू गैस के गोले दागे, जब उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी में उनके मार्च को रोकने वाले बैरिकेड्स की परतों की ओर बढ़ने का प्रयास किया।

वलीनाथ महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना

• प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को गुजरात के मेहसाणा में वलीनाथ महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना की और दर्शन किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और दुनिया के लिए वलीनाथ शिव धाम एक तीर्थ स्थल है, लेकिन यह रेवारी समाज और देश भर के भक्तों के लिए गुरु का पवित्र पीठ है।

'रंगला पंजाब' समागम आज से, मुख्यमंत्री करेंगे उद्घाटन

पहले टूरिज्म इनवैस्टर समिट के हिस्से के तौर पर ऐतिहासिक शहर अमृतसर में 29 फरवरी तक करवाया जायेगा विलक्षण रंगला पंजाब फेस्टिवल

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब सरकार अमृतसर के ऐतिहासिक शहर में 23 फरवरी से 29 फरवरी तक करवाए जा रहे पहले पर्यटन निवेशक सम्मेलन में 'रंगला पंजाब' पहलकदमी के ज़रिये राज्य की जीवंत परंपराओं, कलाओं और रीति-रिवाज़ों की झलक पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है। पंजाब राज्य के पर्यटन मंत्री अनमोल गगन मान ने बताया कि सांस्कृतिक केंद्र अमृतसर में 7 दिनों तक चलने वाले इस विशाल समागम का उद्घाटन 23 फरवरी, 2024 को मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा शाम को किया जायेगा, जो पंजाब की समृद्ध विरासत को देश के कोने-कोने तक पहुँचाने के लिए प्रकाश स्तंभ का काम करेगा। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि यह समागम साहित्य, भोजन पदार्थों, संगीत, जोश और जज़्बे और पंजाब की ' सेवा भावना' जैसे विषयों पर केंद्रित है।

इस फेस्टिवल से सम्बधित अन्य विवरण इस तरह हैं :

24-25 फरवरी : पंजाब से नाटक एंड लिटरेचर फेस्टिवल

पंजाब का नाटक एंड लिटरेचर फेस्टिवल पार्टिशन म्युज़ियम, टाऊन हाल में करवाया जायेगा। इस दो दिवसीय समागम में लेखकों, कवियों और बुद्धिजीवियों द्वारा पंजाब के इतिहास को दर्शाते साहित्य, रंगमंच और सभ्याचार की विशाल श्रेणी की समीक्षा की जायेगी।

24-29 फरवरी : रणजीत एवेन्यू में ग्रैंड शॉपिंग फेस्टिवल

इस दौरान जूतियों, कपड़ों, बिजली के समान, उपकरणों आदि के चोटी के ब्रांडों के लिए एक मार्केट (हट) स्थापित की जायेगी।

24-29 फरवरी : रणजीत ऐवीन्यू में फूडिस्तान

फूडिस्तान हर तरह के पंजाबी और अमृतसरी पकवानों की पेशकश करेगा। यहाँ 100- 200 स्टाल/ फूड ट्रक भारतीय, पंजाबी और अंतरराष्ट्रीय पकवानों की पेशकश करेंगे।

24-29 फरवरी : रणजीत ऐवीन्यू में ताल चौक

इस दौरान पंजाब के सबसे मशहूर संगीतक आईकनों में से कुछेक की तरफ से शानदार प्रस्तुतीकरण की जाएंगी। रूहानी सूफ़ी कव्वालियों से लेकर पैर-थिड़कने वाले भंगड़े तक। निम्नलिखित प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा नीचे लिखे अनुसार प्रस्तुतीकरण की जाएंगी:

- 24 फरवरी: हरजीत हरमन
- 25 फरवरी: लखविन्दर बडाली
- 27 फरवरी: कुलविन्दर बिल्ला
- 28 फरवरी: कँवर ग्रेवाल
- 29 फरवरी: सिकंदर सलीम

25 फरवरी: ग्रीननाथन

इको- टूरिज्म को उत्साहित करने के लिए ग्रीननाथन करवाई जायेगी। इस ग्रीननाथन का रूट आनंद अमृत पार्क से होता हुआ ''साडा पिंड'' में समाप्त होगा।

26 फरवरी: फोक नाइट

इस शाम गोबिन्दगढ़ किले में लोक संगीत के साथ-साथ पंजाब की समृद्ध विरासत को उजागर करने के लिए समागम करवाया जायेगा।

24- 29 फरवरी: सेवा स्ट्रीट और आर्ट वाक

इन दिनों के दौरान रोज़मर्रा के एक नेक कार्य किये जाएंगे, जिनमें लंगर, ख़ून दान कैंप, किताबें और कपड़े दान देना, सफ़ाई मुहिम, पंजाब के पुरातन सभ्याचार और आधुनिक कला सम्बन्धी आर्ट वाक आदि शामिल हैं।

24- 25 फरवरी: कार्नीवल परेड

24 तारीख़ को कार्नीवाल परेड का रास्ता रेड क्रास से रणजीत ऐवीन्यू ग्राउंड की तरफ होगा और 25 तारीख़ को ट्रिलिअम माल से रणजीत ऐवीन्यू ग्राउंड की तरफ होगा।

24- 29 फरवरी: डिजिटल फैस्ट

डिजिटल फैस्ट समर पेलेस में मनाया जायेगा। यह पंजाब की विरासत, बहादुरी, सभ्याचार और पकवानों को प्रदर्शित करेगा, जो पंजाब की महिमा उजागर करते हैं।

29 फरवरी: समाप्ति समारोह

ताल चौक, रणजीत ऐवीन्यू में प्रसिद्ध गायक सिकंदर सलीम की पेशकारी से शानदार समाप्ति समारोह आयोजन किया जायेगा।

भारत की इन जगहों पर कर सकते हैं हॉट एयर बैलून राइड

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

रोमांचक गतिविधियों को पसंद करने वाले लोग हर तरह की राइड का आनंद लेना चाहते हैं। इन एक्टिविटीज में से एक है हॉट एयर बैलून राइड। हॉट एयर बैलून राइड विदेशी पर्यटकों के साथ-साथ देशी पर्यटकों के बीच सबसे रोमांचक गतिविधियों में से एक है। इस रोमांचक राइड्स का मजा भारत की कई जगहों पर लिया जा सकता है। यहां जानिए भारत की किन जगहों पर लें हॉट एयर बैलू राइड का मजा-

राजस्थान- राजस्थान की राजधानी जयपुर में हॉट एयर बैलून राइड की सवारी की जा सकती हैं। यहां पर इस राइज का मजा लेने के लिए देश और विदेश के पर्यटक पहुंचते हैं। इस राइड के दौरान खूबसूरक नजारों को देखकर मन खुश हो जाएगा। राइड को करने में लगभग 60 मिनट का समय लगता है। जिसे करने के लिए आपको करीबन 4 से 5 हजार रुपये देने होंगे।

हिमाचल प्रदेश- हिमाचल प्रदेश के मनाली में हॉट एयर बैलून राइड का आनंद ले सकते हैं। इस राइड के लिए भारत में इससे बेहतरीन कोई जगह नहीं है। यहां भी राइड करीब 60 मिनट की ही लगभग 1 घंटे का होता है।

महाराष्ट्र- महाराष्ट्र में घूमने की कई जगह हैं लेकिन यहां रह रहे लोगों के लिए लोनावाला फेवरिट वीकेंड डेस्टिनेशन है। लोनावला में हॉट एयर बैलून की राइड की जा सकती है। यहां बैलून की सवारी लगभग 60 मिनट तक की होती है। और कीमत लगभग 4-5 हजार रुपये होंगे।

गोवा- हॉट एयर बैलून राइड का लुत्फ उठाना चाहते हैं, तो गोवा एक बेहतरीन प्लेस है। राइड के दौरान आपको गहरे समंदर का खूबसूरत नजारा देखने को मिलेगा। अक्टूबर से मार्च के महीने में यहां बैलून राइड कर सकते हैं।

दार्जिलिंग- हॉट एयर बैलून राइड का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो दार्जिलिंग से कोई बेहतरीन जगह नहीं है। बौद्ध मठों, हिमालय की आकर्षित चोटियों और चाय के बागानों को देखने के लिए ये जगह सबसे बेस्ट।

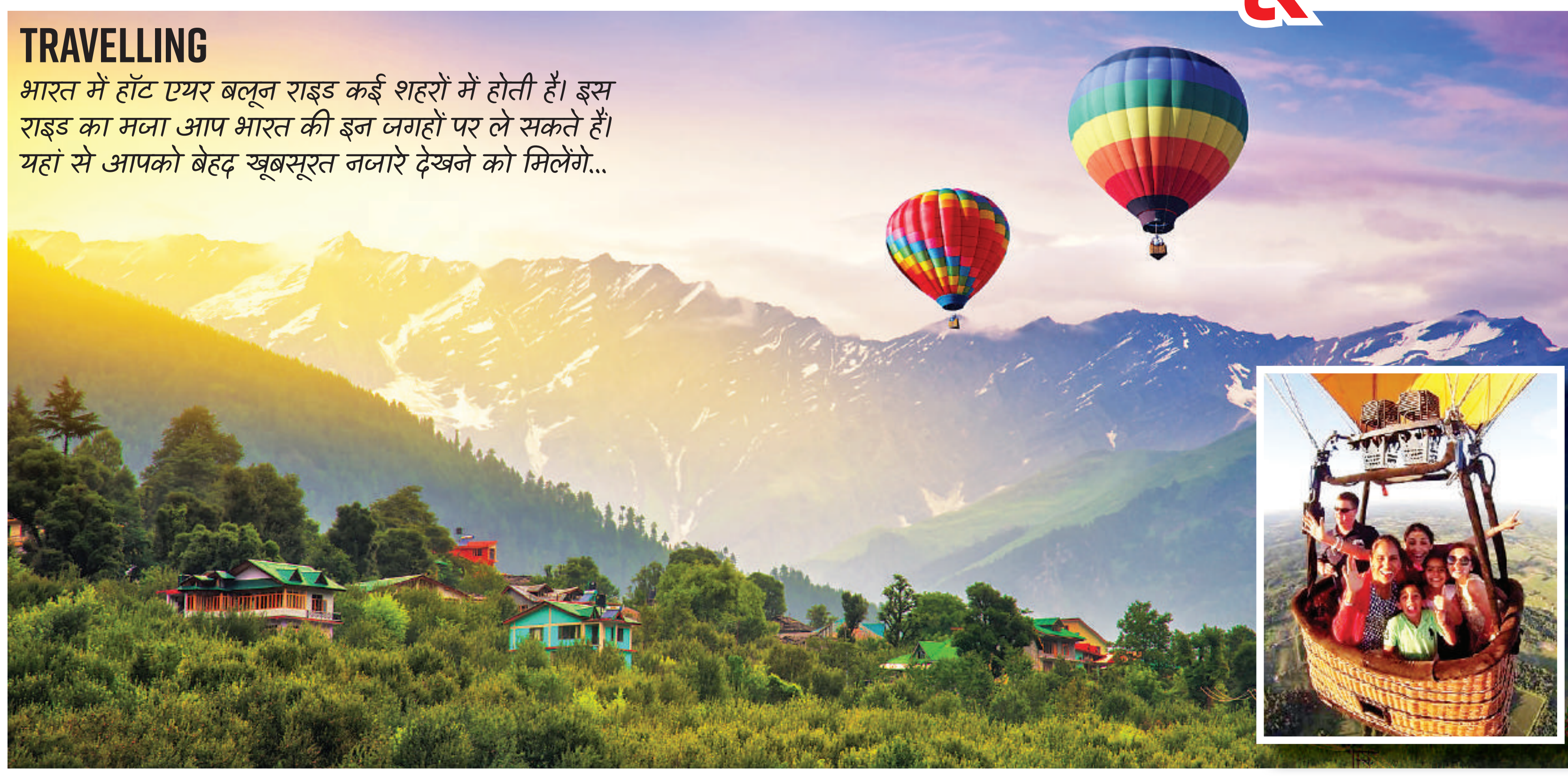

FASHION

लिपस्टिक के ये शेड्स बिगाड़ देंगे लुक, इन कलर की ड्रेस के साथ ना करें मैच

वैलेंटाइन डे के मौके पर डेट के लिए हो रहीं रेडी तो लिपस्टिक के इन शेड्स को इन कलर के कपड़ों के साथ बिल्कुल भी ना मैच करें। लुक का अट्रैक्शन पूरी तरह से खत्म हो जाएगा।

तस्वीर साभार Google

वैलेंटाइन डे के मौके पर अगर आप भी डेट पर जाने की तैयारी में हैं। तो लास्ट मिनट कुछ मेकअप टिप्स को जरूर याद रखें। जो आपके लुक को खास बनाने में मदद करेंगे। अक्सर लड़कियां कपड़ों के कलर के साथ सही लिपस्टिक के कलर को मैच नहीं कर पातीं। जिसकी वजह से उतना अट्रैक्टिव लुक देखने को नहीं मिलता। अगर आप चाहती हैं कि पहली नजर में ही उनकी निगाहें आप पर टिक जाएं तो लिपस्टिक के इन शेड्स को ऐसे ना करें मिक्स एंड मैच।

बोल्ड कलर के आउटफिट- अगर आप वैलेंटाइन के स्पेशल मौके पर बोल्ड एंड ब्राइट कलर के कपड़ों को चुन रही हैं। तो साथ में बोल्ड कलर के लिपस्टिक शेड्स को ना चुनें। बोल्ड एंड ब्राइट कलर को मिक्स एंड मैच करने पर आपका एक भी लुक ध्यान नहीं खींचेगा। इसलिए जब बोल्ड कलर के आउटफिट चुनें तो लिपस्टिक को हल्का रखें। या फिर लिपस्टिक को ब्राइट एंड बोल्ड कलर रखने पर कपड़े को पेस्टल शेड में चुनें।

पिंक कलर के कपड़े के साथ सहीं लिप शेड चुनें- अगर आप पिंक कलर के कपड़े को चुन रही हैं तो इसके साथ ब्राउन शेड्स की लिपस्टिक को कतई ना मैच करें। ये आपके प्रिटी पिंक लुक को फीका बना देगी। ब्राउन के शेड्स सुर्ख पिंक या ब्राइट पिंक जैसे शोख कलर के साथ फिट नहीं बैठते।

रेड ऑन रेड- अगर आप वैलेंटाइन डे के मौके पर रेड शेड की ड्रेस को पहनने वाली हैं। तो भूलकर भी रेड कलर की लिपस्टिक मैच ना करें। ये बिल्कुल आउटडेटेड है। रेड ड्रेस के साथ न्यूड पिंक, न्यूड ब्राउन जैसे कलर क्लासी लुक देंगे। और आपकी रेड ड्रेस सेंटर ऑफ अट्रैक्शन बनेगी।

LIFE TIPS

रोजाना गुनगुने पानी में डालकर पीएं घी मिलेंगे कमाल के फायदे

सुबह की शुरुआत अगर सही ड्रिंक पीकर हो तो सेहत को कई तरह के फायदे हो सकते हैं। ऐसे में यहां हम एक ऐसे ड्रिंक के बारे में बता रहे हैं जिसे रोजाना सुबह पीकर फायदा मिलेगा।

फिटनेस फ्रीक लोगों ने अब घी खाना छोड़ दिया है। उनका मानना है कि ये सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। हालांकि, कुछ रिपोर्ट्स का मानना है कि घी से हेल्थ को खूब फायदे मिल सकते हैं। कहा जाता है कि 1 चम्मच देसी घी आपको कई तरह की बीमारियों से दूर रखने में मदद कर सकता है। वहीं अगर आप गुनगुने पानी में घी डालकर पीते हैं तो कब्ज की समस्या से भी निजात मिलता है। यहां जानिए इस ड्रिंक को पीने के फायदे-

कब्ज वालों के लिए हैं बेस्ट ड्रिंक - रोजाना सुबह गुनगुने पानी में एक चम्मच घी मिलाकर पीने से कब्ज से निपटा जा सकता है। घी एक सुपरफूड है जो पाचन को चिकनाई देकर सिस्टम को शांत कर सकता है। ये शरीर से टॉक्सिन को आसानी से हटाने में मदद कर सकते हैं। हालांकि, इसकी सीमित मात्रा लेना काफी जरूरी है।

गर्म पानी में घी मिलाकर पीने के फायदे - घी में नेचुरल मॉइस्चराइजिंग गुण होते हैं जो त्वचा को चमकदार बनाने में मदद करते हैं। खाली पेट गर्म पानी के साथ घी का सबसे जरूरी काम शरीर को अंदर से साफ करना है।

• सुबह खाली पेट देसी गाय का घी खाने से धमनियों का मोटा होना कम हो जाता है और ये ब्लड फ्लो में सुधार करता है। यह शरीर की कोशिकाओं में फ्री सेल्स के निर्माण को भी कम करता है।

• घी में ओमेगा-3 फैटी एसिड की मात्रा ज्यादा होती है, जो कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है। घी शरीर से खराब कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकालने में मदद कर सकता है।

• घी को हेल्दी फैट माना जाता है। ये प्रोटीन न्यूरोट्रांसमीटर के उत्पादन में भी मदद करता है। ये तंत्रिका अंत को एक्टिव रखते हैं। जो याददाश्त बढ़ाने में भी मदद करते हैं।

कैसे पिएं ये ड्रिंक?

एक चम्मच में शुद्ध देसी गाय का घी लें और उसे हल्का गर्म कर लें फिर इसमें गुनगुने पानी में मिलाएं। सुबह गर्म पानी में एक चम्मच घी मिलाकर पियें और पीने के बाद 30 मिनट तक कुछ भी न खाएं।

हींग ऐसे करें इस्तेमाल तो बढ़ जाएगा खाने का स्वाद, असली-नकली की पहचान

चुटकी भर हींग ना सिर्फ खाने के स्वाद को कई गुना बढ़ा देती है बल्कि सेहत को भी कई तरह से लाभ पहुंचाती है। हींग का इस्तेमाल खानपान में कैसे सही तरीके से किया जाए, बता रही हैं कुकरी एक्सपर्ट मोनिका चोपड़ा...

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

हींग मेरे भोजन का एक अभिन्न हिस्सा रहा है और आज भी है। दाल, कढ़ी,छाछ आदि में जब भी हींग का बघार लगता तो उसकी खुशबू मुझे हमेशा से बेहद पसंद रही है। हींग आमतौर पर अधिकांश भारतीय घरों में रसोई के मसालेदान में पाया जाने वाला, तेज खुशबू वाला मसाला है। अपनी विशिष्ट सुगंध और स्वाद जोड़ने के अलावा यह और भी बहुत कुछ के लिए जाना जाता है। हींग को पहली बार मध्य पूर्व से मुगलों द्वारा 16वीं शताब्दी में भारत लाया गया था। फिर यह धीरे-धीरे भारतीय मसालेदान का हिस्सा बन गया।

कैसे-कैसे हींग?

बाजार में हींग कई कंपनियों द्वारा बनाकर बेची जाती है। यह दो रूपों में उपलब्ध होती है :

- पीले रंग के पाउडर वाले मसाले के रूप में। इसकी गंध को कम करने के लिए आटे, चावल पाउडर या हल्दी के साथ मिलाकर पीसा जाता है।
- भूरे रंग की गांठ के रूप में भी हींग उपलबध है। इसका स्वाद ताजा व अधिक तीखा होता है। इसको पाउडर वाली हींग की तुलना में कम मात्रा में प्रयोग करने की आवश्यकता होती है।
- सबसे अच्छी कंधारी हींग मानी जाती है। पर, आजकल बाजार में नकली हींग में गंध के लिए एसेंस भी मिला दिया जाता है।

ऐसे करें इस्तेमाल

हींग के साथ खाना पकाने में कुछ कौशल की आवश्यकता होती है। जैसे दाल, कढ़ी, छाछ आदि में मैं तड़का लगाने के लिए तेल या घी को गर्म करती हूं, फिर जीरा, मिर्च या अजवाइन के साथ चुटकी भर हींग पाउडर डालकर तड़का लगाकर सामग्री को तुरंत ढक देती हूं ताकि उसकी खुशबू पूरी सामग्री में फैल जाए। हींग को एक और तरीके से इस्तेमाल करने के लिए मैं हींग के एक छोटे टुकड़े को कुचलकर पाउडर बना लेती हूं और थोड़ा सा गर्म पानी डालकर चिकना पेस्ट बनाती हूं । इस तरह से यह आसानी से सांबर, रसम, साग आदि में मिल जाता है।

असली हींग की पहचान

हींग खरीदते समय काफी सावधानी की आवश्यकता होती है। असली हींग की पहचान करने के लिए हींग के छोटे टुकड़े को पानी में घोलें, पानी का रंग दूध जैसा सफेद हो जाए तो यह असली हींग की पहचान है। दूसरा तरीका यह है कि माचिस की एक जलती हुई तीली हींग के पास ले जाएं। एक चमकदार लौ के साथ हींग जल जाए तो वह हींग असली है।

पोषक तत्वों से भरपूर

यह तो सब जानते हैं कि पेट में बनने वाली गैस हींग के प्रभाव से शांत हो जाती है । आयुर्वेद के अनुसार हींग गर्म तासीर वाली होती है तथा पित्त प्रधान भी। हींग पर की गई रिसर्च के अनुसार विटामिन, कैल्शियम ,फास्फोरस, आयरन जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं।

दादी और नानी के नुस्खे

- मैं तो अचार खराब न हो इसलिए जिस मर्तबान में अचार डालना होता है, उसमें हींग का धुआं लगा देती हूं।
- छोटे बच्चों के पेट में दर्द होने पर गुनगुने पानी के साथ थोड़ी हींग घोलकर नाभि के आसपास लगाने से बच्चे के पेट की गैस निकल जाती है और पेट दर्द ठीक हो जाता है।
- हींग, अजवाइन, छोटी हरड़ और सेंधा नमक को बराबर मात्रा में लेकर पीसल लें। दिन में दो बार आधा-आधा चम्मच यह पाउडर खाएं और उसके बाद गुनगुना पानी पिएं। पेट का भारीपन खत्म हो जाएगा।
- पुराने गुड़ के साथ हींग खाने से हिचकी रुक जाती है। महिलाओं की पीरियड संबंधी समस्याओं में, दांत दर्द, माइग्रेन और छाती में बलगम जमा होने पर भी हींग का इस्तेमाल प्रभावी होता है।

बोर्ड एग्जाम की तैयारियों में बच्चे को ऐसे रखें स्ट्रेस से दूर

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

बोर्ड एक्जाम शुरू हो रहे हैं। ऐसे में बच्चे खासतौर पर जो पहली बार बोर्ड की परीक्षाएं देने वाले हैं। वो बहुत ज्यादा स्ट्रेस में आ जाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि पैरेंट्स उनके खानपान और रूटीन का पूरा ध्यान रखें। जिससे उन्हें ना केवल पढ़ने का पूरा टाइम मिल सके बल्कि ठीक तरीके से आराम करें और ज्यादा स्ट्रेस ना लें। जिससे उन्हें पढ़ा हुआ याद रहे और एक्जाम में लिख सके। अगर आपका बच्चा एक्जाम की वजह से टेंशन में दिन-रात पढ़ाई कर रहा है तो उसे स्ट्रेस से ऐसे दूर रखें।

एक बेहतरीन स्टडी शेड्यूल बनाएं : वैसे तो बच्चे पैरेंट्स की बजाय खुद से शेड्यूल बनाते हैं लेकिन बच्चों के स्टडी शेड्यूल को चेक करें। ऐसा टाइम टेबल हो रियल हो और फॉलो करने में आसान। जिसमे पढ़ने के साथ ही खाने, सोने और रिलैक्स करने का टाइम फिक्स हो। जिससे बच्चे के ऊपर बोझ ना बढ़े और जरूरी ब्रेक मिलता रहे।

माइंड रिलैक्स करना सिखाएं : बच्चे को कुछ ब्रीदिंग एक्सरसाइज सिखाएं। जिससे वो खुद को रिलैक्स कर सके। मेडिटेशन, ब्रीदिंग एक्सरसाइज, स्ट्रेचिंग करने से स्ट्रेस दूर होगा। बॉडी को रिलैक्स करने से माइंड रिलैक्स होता है जिससे पढ़ाई में मन आसानी से लगता है।

बच्चे को दें शांत स्टडी एनवॉयरमेंट : बच्चे का पढ़ने में मन लगा रहे इसके लिए घर के माहौल को शांत और सुकून वाला बनाएं। शोर-शराबा, आवाजें उसे डिस्टर्ब करेंगी। साथ ही स्टडी मैटेरियल, नोट्स सारी चीजों को स्टडी टेबल पर रखवाएं। जिससे इन छोटे-छोटे कामों को करने में बच्चे का समय ना बर्बाद हो।

बच्चे को कहें सेल्फ केयर के लिए : बच्चे को समझाएं कि पढ़ाई के साथ ही सेल्फ केयर भी जरूरी है। जिससे हेल्थ बनी रहे। रेगुलर एक्सरसाइज, हेल्दी फूड, पर्याप्त नींद और खुद की साफ-सफाई पर पूरा ध्यान दें। जिससे लास्ट टाइम पर बीमार होने का खतरा कम हो।

बच्चे को सपोर्ट करें : बच्चे को एक्जाम की तैयारियां करवा रही हैं तो उसे साथ में मेंटल सपोर्ट भी दें। जिससे उसके अंदर एक्जाम में मार्क्स कम आने का डर ना बैठ जाए। अक्सर बच्चे डरकर गलतियां करते हैं। बच्चे को सपोर्ट दें कि कम एक्जाम मार्क्स उसकी योग्यता को कम नहीं होने देंगे। पढ़ाई ज्यादा जरूरी है। जिससे बच्चे रिजल्ट की ज्यादा चिंता किए बगैर एक्जाम की तैयारी करें।

वेट लॉस से लेकर दिल की सेहत तक का ख्याल रखता है अनार का जूस

• **जलंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

HEALTH TIPS

लोगों को अकसर यह लगता है कि अनार का जूस सिर्फ शरीर में खून की कमी को दूर करता है। जबकि अनार में मौजूद कई पोषक तत्व वेट लॉस के साथ व्यक्ति को कई हेल्थ बेनिफिट्स देते हैं।

अगर आप अपने बढ़ते वजन को कंट्रोल करने के साथ चेहरे पर गुलाबी निखार भी बनाए रखना चाहते हैं तो रोजाना एक गिलास अनार का जूस पीना शुरू कर दीजिए। जी हां, लोगों को अकसर यह लगता है कि अनार का जूस सिर्फ शरीर में खून की कमी को दूर करता है। जबकि अनार में मौजूद प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट,फाइबर,आयरन,विटामिन सी,पोटैशियम, फॉस्फोरस जैसे कई पोषक तत्व व्यक्ति को कई हेल्थ बेनिफिट्स देते हैं। आइए जानते हैं अनार का जूस पीने के ऐसे ही कुछ गजब के फायदों के बारे में।

अनार का जूस पीने से मिलते हैं ये फायदे-

मजबूत पाचन तंत्र- रोजाना अनार का जूस पीने से व्यक्ति का पाचन तंत्र मजबूत बनता है। अनार का रस पीने से पाचन स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलने के साथ पाचन संबंधी समस्याएं जैसे सूजन, कब्ज,गैस, ब्लोटिंग जैसी समस्याओं को दूर करने में मदद मिलती है। अनार में मौजूद यौगिक आंत के लिए अच्छे बैक्टीरिया को प्रोत्साहित करके पाचन तंत्र में जलन की समस्या को भी कम करने में मदद कर सकते हैं।

एनीमिया से राहत- अनार का जूस नियमित पीने से एनीमिया की समस्या को दूर किया जा सकता है। अनार के जूस में मौजूद आयरन शरीर में हीमोग्लोबिन की मात्रा बढ़ाने में मदद करता है।

दिल की सेहत का रखें ख्याल- अनार के जूस का सेवन करने से दिल की सेहत अच्छी बनी रहती है। यह स्ट्रोक और दिल के दौरे जैसी स्वास्थ्य स्थितियों के जोखिम को बढ़ने से रोक सकता है। अनार में मौजूद पोषक तत्व रक्तचाप को कंट्रोल करके दिल की धमनी की सूजन को कम कर सकते हैं।

गलोइंग स्किन- प्रदूषण और सूर्य की हानिकारक यूवी किरणों के संपर्क में आने से त्वचा को नुकसान पहुंचता है। लेकिन अनार के जूस का सेवन त्वचा को यूवी किरणों से बचाने में मदद करके त्वचा के निखार को बनाए रखने में मदद कर सकता है।

वेट लॉस में फायदेमंद- अनार के जूस का नियमित सेवन वेट लॉस में भी मदद कर सकता है। अनार में मौजूद पॉलीफेनोल्स और एंटीऑक्सीडेंट जैसे पोषक तत्व मेटाबॉलिज्म बूस्ट करके फैट बर्न करने में मदद करते हैं। यह आपकी भूख को कम करके लंबे समय तक पेट के भरे होने का अहसास करवाते हैं। जिससे वेट लॉस में मदद मिलती है।

अनार का जूस पीने का सही समय- अनार का जूस पीने का सही समय दिन का होता है। इस समय अनार का जूस पीने से शरीर को एनर्जी और ताजगी मिलती है। जबकि रात को अनार का जूस पीने से नींद खराब हो सकती है। इसके अलावा अनार में मौजूद नेचुरल शुगर दिन में आसानी से पच जाती है, जबकि रात को इसे पचने में परेशानी होती है।

"जीवन के लक्ष्यों को पाने के लिए ज्ञान सर्वोपरि"

जीवन में हम बहुत कम ऐसे लोगों से मिलते हैं, जिनके निकट जाते ही मन-मस्तिष्क एक सकारात्मक ऊर्जा से भर जाता है। ऐसे व्यक्तियों का स्नेह, उनका आशीर्वाद, हमारी बहुत बड़ी पूंजी होता है। संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज मेरे लिए ऐसे ही थे। उनके समीप अलौकिक आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता था। आचार्य विद्यासागर जी जैसे संतों को देखकर ये अनुभव होता था कैसे भारत में आध्यात्म किसी अमर और अजस्र जलधारा के समान अविरल प्रवाहित होकर समाज का मंगल करता रहता है।

आज मुझे, उनसे हुई मुलाकातें, उनसे हुआ संवाद, सब बार-बार याद आ रहा है। पिछले साल नवंबर में छत्तीसगढ़ में डोंगरगढ़ के चंद्रगिरी जैन मंदिर में उनके दर्शन करने जाना मेरे लिए परम सौभाग्य की बात थी। तब मुझे जरा भी इस बात का अंदाजा नहीं था कि आचार्य जी से मेरी यह आखिरी मुलाकात होगी। वह पल मेरे लिए अविस्मरणीय बन गया है। इस दौरान उन्होंने काफी देर तक मुझसे बातें कीं। उन्होंने पितातुल्य भाव से मेरा ख्याल रखा और देश सेवा में किए जा रहे प्रयासों के लिए मुझे आशीर्वाद भी दिया। देश के विकास और विश्व मंच पर भारत को मिल रहे सम्मान पर उन्होंने प्रसन्नता भी व्यक्त की थी। अपने कार्यों की चर्चा करते हुए वह काफी उत्साहित थे। इस दौरान उनकी सौम्य दृष्टि और दिव्य मुस्कान प्रेरित करने वाली थी। उनका आशीर्वाद आनंद से भर देने वाला था, जो हमारे अंतर्मन के साथ-साथ पूरे वातावरण में उनकी दिव्य उपस्थिति का अहसास करा रहा था। उनका जाना उस अद्भुत मार्गदर्शक को खोने के समान है, जिन्होंने मेरा और अनगिनत लोगों का मार्ग निरंतर प्रशस्त किया है।

भारतवर्ष की ये विशेषता रही है कि यहां की पावन धरती ने निरंतर ऐसी महान विभूतियों को जन्म दिया है, जिन्होंने लोगों को दिशा दिखाने के साथ-साथ समाज को भी बेहतर बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। संतों और समाज सुधार की इसी महान परंपरा में संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज जी का प्रमुख स्थान है। उन्होंने वर्तमान के साथ ही भविष्य के लिए भी एक नई राह दिखाई है। उनका संपूर्ण जीवन आध्यात्मिक प्रेरणा से भरा रहा। उनके जीवन का हर अध्याय, अद्भुत ज्ञान, असीम करुणा और मानवता के उत्थान के लिए अटूट प्रतिबद्धता से सुशोभित है।

संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज जी

जालंधर ब्रीज

नरेन्द्र मोदी
(माननीय प्रधानमंत्री भारत सरकार)

सम्यक ज्ञान, सम्यक दर्शन और सम्यक चरित्र की त्रिवेणी थे। उनके व्यक्तित्व की सबसे विशेष बात ये थी कि उनका सम्यक दर्शन जितना आत्मबोध के लिए था, उतना ही सशक्त उनका लोक बोध भी था। उनका सम्यक ज्ञान जितना धर्म को लेकर था, उतना ही उनका चिंतन लोक विज्ञान के लिए भी रहता था।

करुणा, सेवा और तपस्या से परिपूर्ण आचार्य जी का जीवन भगवान महावीर के आदर्शों का प्रतीक रहा, उनका जीवन, जैन धर्म की मूल भावना का सबसे बड़ा उदाहरण रहा। उन्होंने जीवन भर अपने काम और अपनी दीक्षा से इन सिद्धांतों का संरक्षण किया। हर व्यक्ति के लिए उनका प्रेम, ये बताता है कि जैन धर्म में 'जीवन' का महत्व क्या है। उन्होंने सत्यनिष्ठा के साथ अपनी पूरी आयु तक ये सीख दी कि विचारों, शब्दों और कर्मों की पवित्रता कितनी बड़ी होती है। उन्होंने हमेशा जीवन के सरल होने पर जोर दिया। आचार्य जी जैसे व्यक्तित्वों के कारण ही, आज पूरी दुनिया को जैन धर्म और भगवान महावीर के जीवन से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है।

वो जैन समुदाय के साथ ही अन्य विभिन्न समुदायों के भी बड़े प्रेरणास्रोत रहे। विभिन्न पंथों, परंपराओं और क्षेत्रों के लोगों को उनका सानिध्य मिला, विशेष रूप से युवाओं में आध्यात्मिक जागृति के लिए उन्होंने अथक प्रयास किया।

शिक्षा का क्षेत्र उनके हृदय के बहुत करीब रहा है। बचपन में सामान्य विद्याधर से लेकर आचार्य विद्यासागर जी बनने तक की उनकी यात्रा ज्ञान प्राप्ति और उस ज्ञान से पूरे समाज को प्रकाशित करने की उनकी गहरी प्रतिबद्धता को दिखाती है। उनका दृढ़ विश्वास था कि शिक्षा ही एक न्यायपूर्ण और प्रबुद्ध समाज का आधार है। उन्होंने लोगों को सशक्त बनाने और जीवन के लक्ष्यों को पाने के लिए ज्ञान को सर्वोपरि बताया। सच्चे ज्ञान के मार्ग के रूप में स्वाध्याय और आत्म-जागरूकता के महत्त्व पर उनका विशेष जोर था। इसके साथ ही उन्होंने अपने अनुयायियों से निरंतर सीखने और आध्यात्मिक विकास के लिए निरंतर प्रयास करने का भी आग्रह किया था।

संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज की इच्छा थी कि हमारे युवाओं को ऐसी शिक्षा मिले, जो हमारे सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित हो। वह अक्सर कहा करते थे कि चूंकि हम अपने अतीत के ज्ञान से दूर हो गए हैं, इसलिए वर्तमान में हम अनेक बड़ी चुनौतियों से जूझ रहे हैं। अतीत के ज्ञान में वो आज की अनेक चुनौतियों का समाधान देखते थे। जैसे जल संकट को लेकर वो भारत के प्राचीन ज्ञान से अनेक समाधान सुझाते थे। उनका यह भी विश्वास था कि शिक्षा वही है, जो स्किल डवलपमेंट और इनोवेशन पर अपना ध्यान केंद्रित करे।

आचार्य जी ने कैदियों की भलाई के लिए भी विभिन्न जेलों में काफी कार्य किया था। कितने ही

कृषि अवसंरचना कोष: भारत के कृषि-भविष्य के लिए एक उत्प्रेरक

लेखक

दीपक पारीक

एक कृषि अर्थशास्त्री, एक सीरियल उद्यमी, निवेशक और कृषि प्रौद्योगिकी क्षेत्र में पारिस्थितिकी तंत्र निर्माता हैं। इनके पास विभिन्न परियोजनाओं पर 34 देशों में काम करने का 25 वर्षों का विविध अनुभव है। वह विश्व आर्थिक मंच, यूएनडीपी और विभिन्न वैश्विक संगठनों द्वारा सम्मानित एक सुशोभित टेक्नोक्रेट हैं। वह कृषि और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में विभिन्न निजी, सार्वजनिक और बहुपक्षीय संगठनों को भी सलाह देते हैं।

भारत का कृषि क्षेत्र, इसकी अर्थव्यवस्था की आधारशिला है और 55% से अधिक आबादी की आजीविका को प्रभावित करता है, जो इसे राष्ट्रीय सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण बनाता है। चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कृषि उत्पादक देश होने के बावजूद, इस क्षेत्र को चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, खासकर फसलोत्तर प्रबंधन और बाजार पहुंच संबंधी। इन चुनौतियों को समझते हुए, माननीय प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने जुलाई 2020 में कृषि अवसंरचना कोष (एआईएफ) का शुभारंभ किया, जिसका लक्ष्य बुनियादी ढांचे को बढ़ाकर, घाटा कम करना और नवाचार को बढ़ावा देकर इस क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाना है।

एआईएफ योजना के उद्देश्य स्पष्ट और प्रभावशाली थे: मध्यम से दीर्घकालिक ऋण वित्तपोषण जुटाना, फार्म गेट बुनियादी ढांचे को बढ़ाना, फसलोत्तर नुकसान को कम करना और कृषि व संबद्ध क्षेत्रों में निवेश और नवाचार को बढ़ावा देना।

एआईएफ सिर्फ एक निवेश नहीं था; यह परिवर्तन की प्रतिबद्धता थी। वित्त वर्ष 2020-21 से वित्त वर्ष 2025-26 तक लक्षित मंजूरी और संवितरण के साथ, इस योजना को वित्तीय सहायता तंत्र के सम्मिश्रण के रूप में पेश करने के लिए डिज़ाइन किया गया था, जिसमें 3% ब्याज छूट और क्रेडिट गारंटी कवरेज शामिल है, जिससे वृद्धि और विकास के लिए मजबूत आधारशिला तैयार हो सके। एक लाख करोड़ रुपये के महत्वाकांक्षी वित्तीय परिव्यय के साथ, इस योजना ने किसानों, सहकारी समितियों और कृषि उद्यमियों के लिए नए क्षितिज खोलते हुए, ब्याज छूट, क्रेडिट गारंटी और लाभों के अभिसरण की पेशकश की है।

समय के साथ जैसे ही एआईएफ ने लोकप्रियता हासिल की, भारत के कृषि परिदृश्य में एक उल्लेखनीय परिवर्तन दिखना शुरू हो गया। फंड के तहत 15 फरवरी, 2024 तक 52,671 परियोजनाओं के लिए 37,653 करोड़ रुपये मंजूर किए गए, जबकि 23,000 करोड़ रुपये का वितरण करते हुए इस क्षेत्र में 63,580 करोड़ रुपये का निवेश जुटाया गया। पंजाब के हरे-भरे खेतों से लेकर तमिलनाडु के उद्योगी खेतों तक, कस्टम हायरिंग सेंटर, गोदामों और कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं सहित असंख्य परियोजनाएं सामने आईं, जिनमें से प्रत्येक कृषि के कायाकल्प के लिए देश की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। एआईएफ ने 11,434 कस्टम हायरिंग सेंटर, 11,284 गोदाम और 1,549 कोल्ड स्टोर परियोजनाओं सहित 51,248 फसलोत्तर और सामुदायिक कृषि परिसंपत्तियों के निर्माण हेतु सुविधा प्रदान की है। यह बुनियादी ढांचा विकास फसलोत्तर नुकसान को कम करने और किसानों के लिए बाज़ार पहुंच को सुविधाजनक बनाने वाली थी, जिससे 11 एलएमटी खाद्यान्न की अनुमानित वार्षिक बचत हुई और बागवानी फसलों के उपज के बाद के नुकसान में 2.7 एलएमटी की कमी आई है। इसके अलावा, यह अनुमान लगाया गया है कि एआईएफ के तहत बनाए गए बुनियादी ढांचों के कारण किसानों को उनकी उपज के लिए 11-14% अधिक कीमत मिल सकती है। एआईएफ का गहरा प्रभाव रहा है। गांवों में, जहां अन्न भंडार भरने लगे, शीत भंडारों में परिश्रम के उत्पाद संरक्षित होने लगे और फसलोत्तर नुकसान में कमी आने लगी। बेहतर बुनियादी ढांचे से संपन्न किसानों ने पाया कि उनकी उपज को अधिक कीमत मिल रही है, उनकी आय मानसूनी नदियों की तरह बढ़ रही है। 24,000 से अधिक कृषि-उद्यमियों के नींव द्वारा 5.1 लाख से अधिक रोजगार के अवसरों के सृजन ने समृद्धि के युग की शुरुआत कर दी है।

परोक्ष में, रणनीतियों की एक सहवादन बजती रही। एआईएफ का ऑनलाइन पोर्टल डिजिटल स्थल बन गया जहां अनुप्रयोग अंकुरित और फलीभूत हुये। सोशल मीडिया पर जागरूकता अभियान विकसित हुये, जबकि सम्मेलनों और प्रदर्शनियों ने इस बात को दूर-दराज तक फैलाया। सावधानीपूर्वक देखभाल की गई फसल की तरह प्रत्येक पहल ने योजना की बढ़ती सफलता में योगदान दिया। एआईएफ पोर्टल पर लगभग 0.99 लाख बैंक शाखाओं का एकीकरण हुआ और इसमें 1.27 लाख पंजीकृत आवेदक हैं, यह पोर्टल लाभार्थियों, ऋण देने वाली संस्थाओं और योजना में शामिल अन्य महत्वपूर्ण हितधारकों के लिए एक एकीकृत मंच के रूप में खड़ा है।

मोदी जी ने दी हिमाचल को 2 और केंद्रीय विद्यालय की सौग़ात: अनुराग ठाकुर

38 करोड़ की लागत से हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में केवी नादौन व केवी सलोह का लोकार्पण, नादौन व सलोह के साथ नलेटी, घुमारवीं, बंगाणा, धर्मपुर व संधोल को लेकर हमीरपुर में कुल 6 केंद्रीय विद्यालय

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने आज हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर लोकसभा स्थित नादौन और स्लोह में 2 केंद्रीय विद्यालयों की सौगात दी। प्रधानमंत्री जी ने आज लगभग 38 करोड़ की लागत से बने इन नए भवनों का उद्घाटन कर उन्हें आम जनमानस को समर्पित किया।

इस अवसर पर खुशी जाहिर करते हुए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने इसे हमीरपुर और हिमाचल प्रदेश की जनता के लिए ऐतिहासिक और बेहद लाभकारी बताया। अनुराग ठाकुर ने दोनों विद्यालयों में पढ़ने वाले 500- 500 बच्चों, उनके शिक्षकों और अभिभावकों को नए विद्यालय भवन की शुभकामनाएं दीं और कहा कि वे हमीरपुर के विकास हेतु सदैव इसी प्रकार कार्यरत रहेंगे।

अनुराग ठाकुर ने कहा " अच्छी शिक्षा ही राष्ट्रनिर्माण की प्रथम सीढ़ी है। छात्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही उन्हें एक बेहतर नागरिक बनाने में सहायक सिद्ध होती है। अपने हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में छात्रों को अच्छी शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए मैं सदा ही प्रयासरत रहा हूँ, और यह हर्ष का विषय है कि आज आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने हिमाचल के हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में दो केंद्रीय विद्यालय केवी नादौन व केवी सलोह का लोकार्पण किया है। केंद्रीय विद्यालय नादौन की शुरुआत 1996 में हुई थी पर इसे अपना भवन 28 वर्षों बाद मोदी सरकार ने दिया है। मैं इसके आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का हार्दिक आभार प्रकट करता हूँ"

अनुराग ठाकुर ने आगे कहा कि हमारे सभी युवाओं को एक साथ आकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आवाहन के अनुरूप 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है।

अनुराग ठाकुर ने बताया कि नरेंद्र मोदी सरकार ने 34 वर्षों बाद नई शिक्षा नीति लागू की है। इसमें स्थानीय भाषाओं, खेलकूद और स्किल डेवलपमेंट पर ध्यान दिया गया है। आज पूरे देश में 10,000 से ज्यादा अटल टिंकरिंग लैब कार्यरत हैं। पहले देश में 350 मेडिकल कॉलेज थे, मोदी जी ने 700 बना दिए। आज देश में 1100 विश्वविद्यालय हैं। हम नादौन से मात्र 1 घंटे की दूरी पर देहरा में भी 500 करोड़ की लागत से केंद्रीय विश्वविद्यालय बना रहे हैं। अब हमारे क्षेत्र के बच्चे अपने घर पर ही केंद्रीय विद्यालय से पढ़ कर केंद्रीय विश्वविद्यालय में पढ़ सकते हैं। नादौन व सलोह के साथ नलेटी, घुमारवीं, बंगाणा, धर्मपुर व संधोल को लेकर हमीरपुर में कुल 6 केंद्रीय विद्यालय हो चुके हैं। हमने ऐसे हीं हमीरपुर एनआईटी और स्लोह में ही ट्रिपल आईटी भी बनाया है। पहले हमारे यहां मेडिकल कॉलेज नहीं थे। मैंने आपकी आवाज उठाकर हमीरपुर में मेडिकल कॉलेज और बिलासपुर में एम्स बनवाया। इसके अलावा कई आईटीआई भी बनाए गए हैं। हम जल्द हमीरपुर में खेल के क्षेत्र में पूरे उत्तर भारत में अनोखा नेशनल सेंटर आफ एक्सीलेंस बना रहे हैं। मैं यही चाहता हूं की हमारे युवा साथी अच्छी शिक्षा ग्रहण करें और आगे बढ़ें"।

चक्की नदी पर पुनः पुल निर्माण की मंज़ूरी, जल्द पठानकोट-जोगिंदरनगर के बीच रेल सेवा होगी बहाल: अनुराग ठाकुर

जालंधर ब्रीज (नई दिल्ली/हिमाचल प्रदेश) . केंद्रीय सूचना एवम प्रसारण और युवा एवम खेल मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने आज केंद्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव जी के साथ बैठक में हुए निर्णयों को जानकारी देते हुए बताया की पठानकोट-जोगिंदरनगर सेक्शन के बीच रेल सेवा पुनः बहाल करने हेतु चक्की नदी पर ध्वस्त पुल के पुनर्निर्माण की मंज़ूरी मिल गई है। इस निर्माण से पठानकोट-जोगिंदरनगर के बीच जल्द रेल यातायात शुरू हो सकेगा। इसके अलावा कांगड़ा से नूरपुर के बीच का रेल ट्रैक भी जल्द रिस्टोर किया जाएगा।

अनुराग ठाकुर ने आगे जानकारी देते हुए कहा "विगत दिनों हिमाचल प्रदेश ने बड़ी प्राकृतिक आपदा की मार झेली है। बाढ़ व भूस्खलन से बड़े पैमाने पर जान-माल का नुक़सान हुआ था साथ ही साथ सड़कों व पुलों के दरकने से यातायात भी प्रभावित हुआ था। बाढ़ के कारण पठानकोट जोगिंदरनगर रेल सेक्शन कई जगह ध्वस्त हो गया था जिस से रेल यात्रियों को काफ़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। बाढ़ की वजह चक्की नदी का रेलवे पुल भी क्षतिग्रस्त हो गया था जिस से इस रूट पर रेलवे यातायात काफ़ी प्रभावित हुआ है। मैंने रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव जी से मिलकर व्यतिगत रूप से इस विषय को उनके समक्ष उठाया था"

आगे बोलते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा " मुझे यह बताते हुए हर्ष का अनुभव हो रहा है कि रेल मंत्री जी ने हमारी इस माँग को मंज़ूर करते हुए चक्की नदी का रेलवे पुल के पुनः निर्माण की मंज़ूरी दे दी है। वर्तमान में अभी इस पुल के क्षतिग्रस्त हो जाने से पठानकोट-जोगिंदरनगर पर परिचालन जोगिंदरनगर व काँगड़ा स्टेशन के मध्य से ही हो पा रहा है। इस मंज़ूरी के मिल जाने से जल्दी पुल के निर्माण का रास्ता साफ़ हो गया है जिस से पठानकोट-जोगिंदरनगर रेलवे लाइन पर ट्रेनों का परिचालन पूर्व की तरह ही हो सकेगा। मैं आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी व रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव जी का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने हिमाचलवासियों कि इस समस्या का त्वरित निराकरण किया है।

सरदार स्वर्ण सिंह राष्ट्रीय जैव ऊर्जा संस्थान ने राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया आयोजन

प्रशिक्षण कार्यक्रम से देश को होगा काफी फायदा : डा. जी श्रीधर

• **जालंधर ब्रीज** . जालंधर/कपूरथला

सरदार स्वर्ण सिंह राष्ट्रीय जैव ऊर्जा संस्थान (एसएसएस-एनआईबीई), कपूरथला ने 19 से 23 फरवरी तक बायोगैस प्रौद्योगिकी और इसका कार्यान्वयन' पर पांच दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में जहां भारतीय बायोगैस एसोसिएशन, गुरूग्राम के अध्यक्ष डा. एआर शुक्ला वर्चुअल रूप से उपस्थित रहे जबकि एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री गौरव केडिया विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।

इस अवसर पर सरदार स्वर्ण सिंह राष्ट्रीय जैव ऊर्जा संस्थान के महानिदेशक डा. जी श्रीधर ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम भारतीय बायोगैस एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है, जिसमें भाग लेने वाले सभी छात्रों और शोधकर्ताओं को बायोगैस प्रौद्योगिकी से संबंधित सभी पहलुओं पर विशेषज्ञों द्वारा लेक्चर दिए जायेंगे और फील्ड विजिट भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से देश को काफी फायदा होगा और हम आत्मनिर्भर भारत की दिशा में आगे बढ़ेंगे।

इस अवसर पर वर्चुअली बोलते हुए डा. एआर शुक्ला ने भारतीय लोगों की ऊर्जा मांग को पूरा करने पर जोर दिया और कहा कि रणनीति को सात बुनियादी लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, वह है लागत कम करना, दक्षता बढ़ाना, रोजगार पैदा करना, सिस्टम की विश्वसनीयता, पेट्रोलियम उत्पादों को कम करना, स्थानीय संसाधनों का अधिकतम उपयोग और उत्सर्जन को कम करना। उप निदेशक डा. सचिन कुमार ने कार्यक्रम के प्रारूप के बारे में बताया और डॉ. संजीव मिश्रा ने सभी का धन्यवाद किया।

अबू धाबी में आईआईटी, दिल्ली : भारतीय सीमाओं के पार उत्कृष्टता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की हाल की यात्रा ऐसे समय में हुई है, जब भारत और यूएई के बीच द्विपक्षीय संबंध पहले से ही व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक प्रगाढ़ हो चुके हैं। रणनीतिक भागीदारी की पुष्टि करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी और संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने अबू धाबी में आईआईटी, दिल्ली के एक परिसर की परिकल्पना की थी- इस निर्णय का रिकॉर्ड समय में साकार होना, दोनों देशों के नेतृत्व की साझा दृष्टि और प्राथमिकताओं का प्रमाण देता है। नए भारत के नवाचार और विशेषज्ञता के एक उदाहरण के रूप में, संयुक्त अरब अमीरात में आईआईटी, दिल्ली का परिसर शिक्षा-क्षेत्र में भारत-यूएई मित्रता की नयी मिसाल के रूप में कार्य करने के लिए तैयार है। यह संस्थान शैक्षिक उत्कृष्टता, नवाचार, ज्ञान आदान-प्रदान और मानव पूंजी में निवेश आदि के क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने में दोनों देशों के साझे दृष्टिकोण को दर्शाता है। निस्संदेह, यह आपसी समृद्धि और वैश्विक कल्याण, दोनों ही दृष्टि से ज्ञान की शक्ति का लाभ उठाने के लिए एक नया उदाहरण पेश करेगा।

समग्र परिवर्तन आईआईटी दिल्ली का अंतर्राष्ट्रीय परिसर नई शिक्षा नीति में परिकल्पित शैक्षणिक संस्थानों के अंतर्राष्ट्रीयकरण के विकसित होते प्रतिमान को दर्शाता है। राधाकृष्णन समिति की रणनीतिक सिफारिशें, जो शुरू में आईआईटी के अंतर्राष्ट्रीय परिसरों की संकल्पना के लिए गठित की गई थीं, ने आईआईटी दिल्ली और आईआईटी मद्रास (ज़ांज़ीबार में एक परिसर के साथ) जैसे संस्थानों के लिए एक व्यापक अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति की परिकल्पना की थी- केवल प्रतिष्ठा में ही नहीं, बल्कि उपस्थिति में भी वैश्विक।

मित्र देशों के साथ भारत की भागीदारी की प्रमुख विशेषता है- द्विपक्षीय प्रतिबद्धता को अंतिम रूप देना तथा विश्वसनीय और समय पर किये जाने वाले कार्यों के माध्यम से इसे पूरा करना। रिकॉर्ड समय में स्थापित किया गया आईआईटी दिल्ली-अबू धाबी परिसर, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार और अबू धाबी शिक्षा एवं ज्ञान विभाग (एडीईके) के आपसी प्रयासों के आकर्षक तालमेल को रेखांकित करता है। 2022 की शुरुआत में दोनों देशों के राजनेताओं के बीच एक समझौता हुआ था। 15 जुलाई, 2023 को एमओयू पर हस्ताक्षर होने से लेकर 29 जनवरी, 2024 को कैंपस के पूरा होने व छात्रों के पहले बैच की कक्षाएं शुरू होने तक, आईआईटी दिल्ली- अबू धाबी ने भारत-यूएई द्विपक्षीय संबंधों में उल्लेखनीय सौहार्द का उदाहरण देते हुए बहुत ही कम समय में काफी लंबी दूरी तय की है।

जालंधर ब्रीज

धर्मेन्द्र प्रधान
(लेखक, भारत सरकार में शिक्षा और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री हैं।)

कई मायनों में, यह समग्र परिवर्तन का प्रतीक है। ऐतिहासिक रूप से, भारत ने नालंदा विश्वविद्यालय- "दुनिया का पहला आवासीय विश्वविद्यालय, जहां कई देशों के प्रसिद्ध विद्वान भारत आते थे और अध्ययन करते थे"- के साथ शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण में उत्कृष्टता हासिल की थी। आईआईटी आज अपनी उत्कृष्टता को सीमाओं के पार ले जा रहे हैं और देश को गौरवान्वित कर रहे हैं। शैक्षणिक उत्कृष्टता और वास्तविक जीवन में उपयुक्तता आईआईटी दिल्ली के अबू धाबी परिसर का सबसे महत्वपूर्ण अंग शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए उसकी प्रतिबद्धता है। संस्थान के पाठ्यक्रम को क्षेत्र की विशिष्ट आवश्यकताओं और आकांक्षाओं के अनुरूप कुशलतापूर्वक ढाला गया है। स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के शिक्षण के साथ-साथ अनुसंधान के क्षेत्र में आईआईटी दिल्ली के अद्वितीय अनुभव का लाभ उठाते हुए अबू धाबी परिसर विश्वस्तरीय शिक्षा प्रदान करने के साथ ही साथ, उसे वैविध्यपूर्ण बनाते हुए नवीन और क्षेत्र-विशिष्ट कार्यक्रमों का केंद्र बनने की दिशा में प्रयासरत है। इसका आरंभिक शैक्षणिक कार्यक्रम, ऊर्जा रूपांतरण और स्थिरता में मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी, संस्थान के दूरदर्शी दृष्टिकोण को दर्शाता है। जलवायु और स्थिरता से जुड़ी अन्य चुनौतियों से निपटने में स्वच्छ ऊर्जा रूपांतरण की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को इस परिवर्तन को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में अग्रणी रहने के लिए तैयार करना है। यह पाठ्यक्रम ट्रांजिशन प्रबंधन, नवाचार प्रक्रियाओं और ऊर्जा-स्थिरता अंतर्संबंधों की समझ के साथ तकनीकी ज्ञान को एकीकृत करते हुए एक बहु-विषयक दृष्टिकोण पर जोर देता है। इस कार्यक्रम का शुभारंभ संयुक्त अरब अमीरात द्वारा वर्ष 2023 को स्थिरता वर्ष के रूप में मनाए जाने और दुबई में ऐतिहासिक सीओपी 28 सम्मेलन की मेजबानी करने के पश्चात हुआ है। इस कार्यक्रम में अधिकांश छात्र अबू धाबी की प्रमुख तेल और गैस कंपनी एडीएनओसी द्वारा प्रायोजित हैं, जो खुद को नवीकरणीय ऊर्जा और ऊर्जा रूपांतरण की ओर फिर से उन्मुख करने की इच्छुक है। शिक्षा जगत के साथ उद्योग का यह इंटरफ़ेस इस नवोदित संस्थान के भविष्य के लिए शुभ संकेत है। आईआईटी दिल्ली अबू धाबी की कक्षाओं में कदम रखने वाले छात्रों का पहला बैच अत्याधुनिक ज्ञान प्राप्त करने वाला बन जाएगा। आईआईटी दिल्ली-अबू धाबी परिसर एआई, डेटा एनालिटिक्स, ऊर्जा और स्थिरता और हेल्थकेयर जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने की योजना बना रहा है। तेजी से उभरती वैश्विक चुनौतियों के संदर्भ में अनुसंधान के एजेंडे को मेजबान देश की जरूरतों के अनुरूप बनाया जाएगा।

सांसद, डिप्टी कमिश्नर एवं पुलिस कमिश्नर ने शोभा यात्रा के रास्ते की तैयारियों का लिया जायजा

अधिकारियों व संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक, श्री गुरु रविदास जी के प्रकाश उत्सव की शोभा यात्रा के पुख्ता प्रबंध

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

जालंधर से लोकसभा सदस्य सुशील कुमार रिंकू, डिप्टी कमिश्नर विशेष सारंगल और पुलिस कमिश्नर स्वप्न शर्मा ने 23 फरवरी 2024 को श्री गुरु रविदास जी के प्रकाश उत्सव के अवसर पर सजाई जाने वाली शोभा यात्रा के प्रबंधों का जायजा लिया। लोकसभा सदस्य, डिप्टी कमिश्नर और पुलिस कमिश्नर ने आज शोभा यात्रा के मार्ग का दौरा किया और जिला प्रशासन द्वारा किए सभी प्रबंधों की समीक्षा की।

श्री गुरु रविदास धाम में विभिन्न विभागों के अधिकारियों और धार्मिक व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों की बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि शोभा यात्रा के लिए पुलिस, नागरिक प्रशासन और नगर निगम द्वारा उचित प्रबंध किए गए है। लोकसभा सदस्य सुशील कुमार रिंकू ने पुलिस अधिकारियों को महिला पुलिस कर्मियों की डियूटी लगाने के अलावा शहर के विभिन्न इलाकों से गुजरने वाली शोभा यात्रा के दौरान उचित सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि शोभा यात्रा के दौरान यातायात को उचित ढंग से जारी रखने के लिए सभी प्रबंध किए जाए, ताकि श्रद्धालुओं को शोभा यात्रा के दौरान किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो ,पुलिस अधिकारियों को सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कंट्रोल रूम बनाने के लिए भी कहा गया। इस मौके पर पुलिस कमिश्नर स्वपन शर्मा ने कहा कि शोभा यात्रा को उचित ढंग से चलाने के लिए मेन चौराहों पर पुलिसकर्मी तैनात करने के अलावा पहले से ही रूट डाईवर्ट किए गए है, ताकि शोभा यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

इसके अलावा, लोकसभा सदस्य और डिप्टी कमिश्नर ने जालंधर नगर निगम को शोभा यात्रा के रास्ते में सफाई, पीने योग्य पानी, मोबाइल शौचालय यूनिट और सजावट के उचित प्रबंध करने के लिए भी कहा। इस अवसर पर उन्होंने बिजली बोर्ड के अधिकारियों को निर्बाध बिजली स्पलाई सुनिश्चित करने को कहा साथ ही स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को विशेष मैडीकल टीमें तैनात करने के निर्देश दिए।

सिविल अस्पताल में जरूरतमंदों के लिए मुफ्त भोजन

सिविल अस्पताल जालंधर में इलाज के लिए आने वाले जरूरतमंद लोगों को बड़ी राहत प्रदान करते हुए लोकसभा सदस्य सुशील कुमार रिंकू, डिप्टी कमिश्नर विशेष सारंगल और पुलिस कमिश्नर स्वपन शर्मा ने आज अस्पताल के अंदर लोगों के लिए मुफ्त भोजन की शुरुआत की। इस दौरान लोकसभा सदस्य सुशील कुमार रिंकू ने कहा कि मुफ्त भोजन की शुरूआत से जरूरतमंद लोगों को पौष्टिक खाना मिलने में मदद होगी। उन्होंने कहा कि यह सेवा ओम आशा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा निभाई जा रही है जिसमें लोगों को बिना पैसे के मुफ्त भोजन दिया जाएगा।

उन्होंने यहां उपलब्ध करवाए जा रहे भोजन की गुणवत्ता पर भी संतोष व्यक्त किया। साथ ही बताया कि जरूरतमंद लोगों के लिए मुफ्त भोजन की सुविधा पूरे सप्ताह होगी। डिप्टी कमिश्नर विशेष सारंगल ने बताया कि प्रशासन की इस पहल के तहत एन.जी.ओ. के साथ समझौता किया गया और एनजीओ के प्रमुख हवेली ग्रुप के सतीश जैन की इस नेक काम के लिए प्रशंसा की गई। उन्होंने कहा कि मानवता की सेवा ही सबसे बडी सेवा है। उन्होंने अन्य गैर सरकारी संगठनों से भी जरूरतमंद और गरीब लोगों की मदद करने और नेक काम में आगे आने की अपील की। इस दौरान अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर जसबीर सिंह, एस.डी.एम. डा. जै इंद्र सिंह, बलबीर राज सिंह और अन्य भी उपस्थित थे।

120 ग्राम हेरोइन के साथ दो गिरफ्तार

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

नशे के खिलाफ अभियान जारी रखते हुए पुलिस कमिश्नर स्वपन शर्मा के नेतृत्व में जालंधर कमिश्नरेट पुलिस ने दो नशा तस्करों को 120 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस आयुक्त ने बताया कि नशीले पदार्थों की तस्करी के जघन्य अपराध में शामिल आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस ने सतर्कता बढ़ा दी है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत पुलिस द्वारा वेरका मिल्क प्लांट सर्विस रोड पर चेकिंग की जा रही थी। उन्होंने बताया कि चेकिंग के दौरान पुलिस पार्टी को करतारपुर की तरफ से एक व्यक्ति पैदल आता हुआ दिखाई दिया।

पुलिस कमिश्नर ने बताया कि पुलिस को देखकर वह शख्स अचानक पीछे मुड़ा और एक छोटी पॉलिथीन फेंक दी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने पॉलीथिन की जांच करने पर 70 ग्राम हेरोइन बरामद की। उन्होंने बताया कि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उक्त व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया, जिसकी पहचान मनदीप सिंह उर्फ राजू पुत्र जरनैल सिंह, निवासी गली नंबर 1, गांव चक्क जिंदा, जालंधर के रूप में हुई। पुलिस आयुक्त ने बताया कि आरोपी के खिलाफ एफआईआर 28 दिनांक 20-02-2024 धारा 21/29-61-85 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। जांच के दौरान इस मामले में एक अन्य आरोपी हरदीप सिंह उर्फ पैरी निवासी 155, न्यू अरोड़ा कॉलोनी, गांव मीठापुर, जालंधर का नाम सामने आया है, जिसे भी उसी दिन 50 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया था। श्री स्वपन शर्मा ने कहा कि मनदीप सिंह का कोई आपराधिक इतिहास नहीं है जबकि हरदीप सिंह के खिलाफ तरनतारन में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत पहले ही दो एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं।

सुखबीर बादल की ओछी राजनीति बेहद दुर्भाग्यपूर्ण : मलविंदर कंग

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

आम आदमी पार्टी(आप) ने शिरोमणि अकाली दल(बादल) पर किसानों की दुख की घड़ी में तुच्छ राजनीति करने का आरोप लगाया है। आप ने कहा कि सुखबीर बादल की ओछी राजनीति की प्रवृत्ति बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। आप पंजाब के मुख्य प्रवक्ता मलविंदर सिंह कंग ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा कि आम आदमी पार्टी और आप सरकार देश के जवानों और किसानों (सैनिकों और किसानों) के बलिदान का सम्मान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जबकि अकाली दल का रिकॉर्ड हमेशा से आम लोगों और किसानों के विरुद्ध रहा है। कंग ने कहा कि सुखबीर बादल को भी सोशल मीडिया पर उपदेश देने के बजाय खुद युद्ध के मैदान में शामिल होना चाहिए। कंग ने यह भी सवाल किया कि सुखबीर बादल मोदी और खट्टर का नाम लेने से क्यों डरते हैं?

कैबिनेट मंत्री ईटीओ द्वारा हरियाणा पुलिस की बेरहमी की कड़ी निंदा, केंद्र को सख़्त कार्यवाही करने की अपील

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ई.टी.ओ ने हरियाणा पुलिस द्वारा नौजवान किसान शुभकरन सिंह की कथित तौर पर हत्या किए जाने पर रोष प्रकट करते हुए केंद्र सरकार से तुरंत कार्यवाही की माँग की है। मंत्री हरभजन सिंह ई.टी.ओ ने हरियाणा पुलिस की कार्यवाहियों की निंदा करते हुए कहा, "यह बहुत ही चिंताजनक है कि हरियाणा पुलिस ने किसानों के ख़िलाफ़ उस समय हिंसा की जब उनकी लीडरशिप केंद्रीय कृषि मंत्री श्री अर्जुन मुंडा के बातचीत के बुलावे पर विचार करने के लिए बैठक कर रही थी।"

मंत्री ने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के किसानों को अपनी अधिकारों संबंधी माँगों के लिए शांतमयी ढंग से प्रदर्शन करने का लोकतांत्रिक अधिकार है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि पंजाब के किसानों को देश के बाकी हिस्सों की अपेक्षा बाँटने की कोशिशें इस क्षेत्र की स्थिरता को खतरे में डाल सकती हैं। उन्होंने कहा, "किसानों की माँगें क्षेत्रीय नहीं हैं, परन्तु देश भर के किसानों की चिंताओं को दिखाती हैं। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब-हरियाणा सरहद पर किसानों को रोकने के लिए हरियाणा सरकार की चालें सत्ता के सरेआम दुरुपयोग को दर्शाती हैं।

हरभजन सिंह ई.टी.ओ ने कहा कि किसानों को दिल्ली जाने से रोकने के दौरान शंभू और खिनौरी सरहद पर घटी घटनाओं ने हरियाणा सरकार द्वारा किसान के रोष प्रदर्शन को दबाने के लिए इस्तेमाल की जा रही भद्दी चालों का पर्दाफाश किया है और इससे हरियाणा के किसानों की सुरक्षा और अधिकारों संबंधी भी चिंता पैदा हो गई है।

कैबिनेट मंत्री ई.टी.ओ ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व अधीन किसानों की भलाई के लिए पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने मृतक किसान के परिवार के साथ हमदर्दी प्रकट करते हुए कहा कि पंजाब सरकार दुखी परिवार के साथ है और परिवार को हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

किसानों के ख़िलाफ़ अत्याचार असहनीय : संधवां

किसानों के विरुद्ध हरियाणा पुलिस की बर्बरता और क्रूर कार्यवाही को असहनीय करार देते हुये पंजाब विधान सभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने कहा है कि केंद्र को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को कानूनी बनाने समेत किसानों की सभी माँगों को बिना किसी देरी से मंजूर करना चाहिए। संधवां ने कहा कि जब 2021 में मोदी सरकार ने सभी माँगों मान ली थीं और उनकी सभी माँगों को पूरा करने का वायदा किया था, फिर अब किसानों को दिल्ली जाकर अपनी आवाज़ बुलंद करने से क्यों रोका जा रहा है। पंजाबी नौजवान किसान शुभकरन सिंह के दर्दनाक कत्ल के लिए हरियाणा सरकार पर निशाना साधते हुये संधवां ने कहा कि पंजाब के किसानों पर अपने हक मांगने के लिए किये जा रहे अत्याचार असहनीय हैं और यह बंद होने चाहिएं।

हरियाणा पुलिस की बर्बरता की न्यायिक जांच की मांग

मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा कार्रवाई करने के बजाय भाजपा नीत हरियाणा सरकार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का आश्वासन देने के लिए उनकी आलोचना करते हुए विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने गुरुवार को पंजाब के किसानों पर हरियाणा पुलिस की क्रूरता की स्वतंत्र न्यायिक जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि पंजाब के मुख्यमंत्री, जिनके पास गृह विभाग भी है, हरियाणा पुलिस और हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज के खिलाफ मामला दर्ज कराएं। हरियाणा पुलिस की यातना सभी ने देखी है और पंजाब सरकार अभी भी कोई भी कानूनी कार्रवाई करने से कतरा रही है। बाजवा ने पूछा कि वह किस चीज का इंतजार कर रही हैं।

हर काम देश के नाम : 187वीं रक्षा पेंशन समाधान आयोजन पटियाला मिलिट्री स्टेशन में हुआ

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

रक्षा पेंशन समाधान आयोजन (आरपीएसए) का 187वां संस्करण ऐरावत डिवीजन और प्रधान रक्षा लेखा नियंत्रक (पीसीडीए) (पेंशन), प्रयागराज द्वारा 21 और 22 फरवरी को पटियाला में आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य पटियाला और आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले रक्षा नागरिकों सहित रक्षा पेंशनभोगियों की शिकायतों के निवारण के लिए एक मंच प्रदान करना है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन खड़गा कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने किया और इसमें 500 से अधिक वेट्रन्स और वीर नारियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर बोलते हुए, लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने निस्वार्थ सेवा द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा बनाए रखने में हमारे वेट्रन्स और पूर्व सैनिकों तथा वीर नारियों के योगदान और उनके बलिदान को उजागर किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आरपीएसए की यह पहल वेट्रन्स और उनके परिवारों के कल्याण को बनाए रखने के लिए सशस्त्र बलों की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने वेट्रन्स और वीर नारियों से अपने पेंशन संबंधी सभी मुद्दों और अन्य लाभों के निवारण के लिए इस अवसर का उपयोग करने का भी आग्रह किया।

कार्यक्रम के दौरान खड़गा कोर, पीसीडीए (पी), प्रयागराज, जिला सैनिक बोर्ड, रक्षा पेंशन संवितरण कार्यालय, वयोवृद्ध सहायता केंद्र, सेना भर्ती कार्यालय की टीम, विभिन्न सेना अभिलेख कार्यालयों और निजी/सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रतिनिधियों ने सामूहिक रूप से पेंशन से संबंधित मामलों का समाधान किया। इस मंच से भाग लेने वालों ने निःशुल्क चिकित्सा जांच और उपचार का भी लाभ उठाया। यह दो दिवसीय कार्यक्रम भारतीय सेना के लोकाचार और सिद्धांतों का उपयुक्त प्रमाण था, जिससे सेवारत सैनिकों और दिग्गजों के बीच अटूट संबंध मजबूत हुए।

प्लेसमेंट कैंप में 46 उम्मीदवार नौकरी के लिए चुने

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

जिला प्रशासन के नेतृत्व में वीरवार को डिस्ट्रिक्ट ब्यूरो ऑफ एम्प्लॉयमेंट एंड बिजनेस (डीबीईई) द्वारा आयोजित प्लेसमैंट कैंप के दौरान 46 उम्मीदवारों को नौकरियों के लिए चुना। रोजगार उत्पति, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण अधिकारी रणजीत कौर ने बताया कि आज जिला रोजगार एवं कारोबार ब्यूरो में प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें पी.एन.बी. मेट लाइफ, कोटक महिंद्रा, यूनिक करियर, बोस इंटरनेशनल और स्विगी जैसी कंपनियों ने पहुंच की और 73 उम्मीदवारों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि कंपनियों द्वारा इंटरव्यू के दौरान 46 उम्मीदवारों को नौकरी के लिए चुना गया।

उन्होंने कहा कि डीबीईई जिला प्रशासन के नेतृत्व में युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने में अहम भूमिका निभा जा रही है। उन्होंने युवाओं से रोजगार के अधिक अवसरों का लाभ उठाने के लिए जिला प्रशासकीय परिसर में स्थित जिला रोजगार और कारोबार ब्यूरो के दफ्तर से संपर्क करने या हेल्पलाइन नंबर 90569-20100 पर संपर्क करने की भी अपील की।

पंजाब में स्वास्थ्य सेवाओं में आया क्रांतिकारी बदलाव : ब्रम शंकर जिंपा

कैबिनेट मंत्री ने 21 नव-नियुक्त डाक्टरों को सौंपे नियुक्ति पत्र

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

कैबिनेट मंत्री पंजाब ब्रम शंकर जिंपा ने कहा कि मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की ओर से प्रदेश में जनहित में स्वास्थ्य सेवाओं में क्रांतिकारी बदलाव किए गए हैं, जिससे प्रदेश वासियों का काफी राहत मिली है। वे आज सिविल सर्जन कार्यालय में आम आदमी क्लीनिकों के लिए नियुक्त किए डाक्टरों को नियुक्ति पत्र सौंपने के दौरान संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज जिले के अलग-अलग आम आदमी क्लीनिकों के लिए 21 डाक्टर नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब तक खुले 700 आम आदमी क्लीनिकों का करीब 35 लाख लोग लाभ ले चुके हैं।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि लोगों को डोर स्टैप के नजदीक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं देने के उद्देश्य से प्रदेश में आम आदमी क्लीनिक खोले गए हैं जिसने की पंजाब सरकार के स्वस्थ पंजाब के सपने को साकार किया है। उन्होंने बताया कि इन आम आदमी क्लीनिकों में लोगों का जहां निःशुल्क इलाज कर दवाईयां दी जा रही है वहीं उनके कई प्रकार के टेस्ट भी निःशुल्क किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दो वर्ष से भी कम समय में मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने लोगों से किए हर वादे को पूरा किया है, जिनमें 600 यूनिट बिजली माफ, आम आदमी क्लीनिक, युवाओं को रोजगार देना आदि प्रमुख है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार प्रदेश में एक सकारात्मक बदलाव के लिए काम कर रही है ताकि लोगों को एक अच्छा माहौल दिया जा सके। इस मौके पर सिविल सर्जन डा. बलविंदर कुमार डुमाणा, एस.एम.ओ डा. मनमोहन सिंह के अलावा अन्य गणमान्य भी मौजूद थे।

आईपीएल 2024 के पहले फेज का शेड्यूल जारी

बीसीसीआई ने आईपीएल के 17वें सीजन के शेड्यूल की घोषणा कर दी है। टूर्नामेंट के शुरुआती 15 दिन के मैचों के शेड्यूल का ऐलान किया गया है। पहला मुकाबला चिन्नास्वामी स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स व आरसीबी के बीच खेला जाएगा। मार्च से मई महीने तक लोकसभा चुनाव होने हैं जिसके कारण पूरे शेड्यूल का ऐलान बाद में किया जाएगा। फिलहाल 21 मैचों का शेड्यूल जारी हुआ है। चेन्नई की टीम रिकॉर्ड नौवीं बार आईपीएल के किसी सीजन का पहला मैच खेलेगी। इससे पहले टीम 2009, 2011, 2012, 2018, 2019, 2020, 2022 और 2023 में उद्घाटन मैच खेल चुकी है।

वहीं, दिल्ली कैपिटल्स शुरुआती दो मुकाबले विशाखापट्टनम में खेलेगी क्योंकि महिला प्रीमियर लीग का फाइनल दिल्ली में खेला जाएगा। इसके तुरंत बाद मैदान को आईपीएल के लिए तैयार करने में समय लगेगा। इसी कारण से दिल्ली के शुरुआती दो मैच विशाखापट्टनम में होंगे। आपको बता दें कि आईपीएल के चेयरमैन अरुण धूमल पहले ही कह चुके हैं कि पूरा टूर्नामेंट भारत में ही आयोजित किया जाएगा। सिर्फ 2009 में ही आईपीएल पूरी तरह से विदेश में खेला गया था।

TATA IPL
2024 SEASON SCHEDULE
iplt20.com

Match No.	Match Day	DATE	WEEKDAY	KICK-OFF	HOME	AWAY	STADIUM
1	1	22-03-24	Fri	8:00 PM	Chennai Super Kings	Royal Challengers Bangalore	Chennai
2	2	23-03-24	Sat	3:30 PM	Punjab Kings	Delhi Capitals	Mohali
3	2	23-03-24	Sat	7:30 PM	Kolkata Knight Riders	Sunrisers Hyderabad	Kolkata
4	3	24-03-24	Sun	3:30 PM	Rajasthan Royals	Lucknow Super Giants	Jaipur
5	3	24-03-24	Sun	7:30 PM	Gujarat Titans	Mumbai Indians	Ahmedabad
6	4	25-03-24	Mon	7:30 PM	Royal Challengers Bangalore	Punjab Kings	Bengaluru
7	5	26-03-24	Tue	7:30 PM	Chennai Super Kings	Gujarat Titans	Chennai
8	6	27-03-24	Wed	7:30 PM	Sunrisers Hyderabad	Mumbai Indians	Hyderabad
9	7	28-03-24	Thu	7:30 PM	Rajasthan Royals	Delhi Capitals	Jaipur
10	8	29-03-24	Fri	7:30 PM	Royal Challengers Bangalore	Kolkata Knight Riders	Bengaluru
11	9	30-03-24	Sat	7:30 PM	Lucknow Super Giants	Punjab Kings	Lucknow
12	10	31-03-24	Sun	3:30 PM	Gujarat Titans	Sunrisers Hyderabad	Ahmedabad
13	10	31-03-24	Sun	7:30 PM	Delhi Capitals	Chennai Super Kings	Vizag
14	11	01-04-24	Mon	7:30 PM	Mumbai Indians	Rajasthan Royals	Mumbai
15	12	02-04-24	Tue	7:30 PM	Royal Challengers Bangalore	Lucknow Super Giants	Bengaluru
16	13	03-04-24	Wed	7:30 PM	Delhi Capitals	Kolkata Knight Riders	Vizag
17	14	04-04-24	Thu	7:30 PM	Gujarat Titans	Punjab Kings	Ahmedabad
18	15	05-04-24	Fri	7:30 PM	Sunrisers Hyderabad	Chennai Super Kings	Hyderabad
19	16	06-04-24	Sat	7:30 PM	Rajasthan Royals	Royal Challengers Bangalore	Jaipur
20	17	07-04-24	Sun	3:30 PM	Mumbai Indians	Delhi Capitals	Mumbai
21	17	07-04-24	Sun	7:30 PM	Lucknow Super Giants	Gujarat Titans	Lucknow

Please note that this schedule may be subject to change for any reason as may be required in the sole discreation of BCCI

राज्य में रेशम उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए पाँच दिवसीय संसाधन विकास प्रशिक्षण प्रोग्राम आयोजित

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

राज्य में फ़सल विभिन्नता के अंतर्गत रेशम उत्पादन समेत अन्य फ़सलों को बढ़ावा देने सम्बन्धी बाग़बानी मंत्री स. चेतन सिंह जौड़ामाजरा के दिशा-निर्देशों पर बाग़बानी विभाग द्वारा सैरीकल्चर से सम्बन्धित अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए पाँच दिवसीय संसाधन विकास प्रशिक्षण प्रोग्राम करवाया गया। यहाँ के महात्मा गांधी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (मगसीपा) में केंद्र रेशम बोर्ड, भारत सरकार के सहयोग से करवाए गए प्रशिक्षण प्रोग्राम के दौरान मुख्य मेहमान के तौर पर कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के कमिश्नर नीलिमा, डायरैक्टर बाग़बानी शैलिन्दर कौर और केंद्र रेशम बोर्ड के अधिकारियों द्वारा शिरकत की गई।

मुख्य मेहमान नीलिमा ने राज्य में रेशम उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए अधिक से अधिक उपाय करने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। डायरैक्टर बाग़बानी ने बताया कि रेशम उत्पादन का पेशा पंजाब में मुख्य तौर पर कंडी जिलों गुरदासपुर, पठानकोट, होशियारपुर और रोपड़ के छोटे किसानों द्वारा किया जा रहा है। सरकार द्वारा सैरीकल्चर स्कीमों के अधीन विभिन्न गतिविधियों जैसे प्लांटेशन, कीट पालन घर, रेरिंग उपकरण, प्रशिक्षण, एक्सपोजर विज़िट आदि अधीन सब्सिडी मुहैया करवाई जाती है। प्रशिक्षण के प्रोग्राम के दौरान सैरीकल्चर के विकास सम्बन्धी विषय माहिरों और वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न विषयों से सम्बन्धित तकनीकी जानकारी दी गई। केंद्रीय रेशम बोर्ड के सहायक सचिव दशरथी बहेरा, साइंटिस्ट-डी बंगलोर सदीकी अली, डायरैक्टर, सी.एस.आर. एंड टी.आई, पामपुर एन.के. भाटिया, साइंटिस्ट-डी सरदारा सिंह और सुरिन्दर भट्ट ने रेशम उत्पादन सम्बन्धी विभिन्न विषयों पर विस्तृत रौशनी डाली।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.